अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

(तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम)

प्रथम वर्ष : पूर्णांक – 200

प्रथम प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	आचार्य भिक्षु, आचार्य भारमल, (तेरापंथ का इतिहास–भाग 1) – (मुनि बुद्धमल)	50 +30 अंक
कंठस्थ :	तेरापंथ प्रबोध–भावार्थ सहित (आचार्य तुलसी) (1 से 65 पद्य तक)	20 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	भिक्षु विचार दर्शन (आचार्य महाप्रज्ञ)	80 अंक
कंठस्थ :	भिक्षुवाणी–अर्थ सहित (1 से 65 पद्य तक)	20 अंक

द्वितीय वर्ष : पूर्णांक – 200

प्रथम प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	आचार्य रायचंद, आचार्य जीतमल (तेरापंथ का इतिहास–भाग 1)– (मुनि बुद्धमल)	20 + 50 अंक
कंठस्थ :	तेरापंथ प्रबोध–भावार्थ भावार्थ सहित (66 से 125 पद्य तक)	20 अंक
	पूर्व कंठस्थ पाठ्यक्रम से	10 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	तेरापंथ इतिहास और दर्शन	70 अंक
कंठस्थ :	भिक्षुवाणी–अर्थ सहित (66 से 125 पद्य तक)	20 अंक
	पूर्व कंठस्थ पाठ्यक्रम से भिक्षुवाणी (1 से 65 पद्य तक)	10 अंक

तृतीय वर्ष : पूर्णांक – 200

प्रथम प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	आचार्य मघवा से डालगणी तक (तेरापंथ का इतिहास भाग 2) (मुनि बुद्धमल)	60 अंक
कंठस्थ :	तुलसी प्रबोध–भावार्थ सहित (साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा) (1 से 74 पद्य कलकत्ता यात्रा तक)	20 अंक
	पूर्व दो वर्ष के कंठस्थ पाठ्यक्रम से (तेरापंथ प्रबोध सम्पूर्ण)	20 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (मुनि महेन्द्र कुमार)	30 अंक
	आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा)	30 अंक
	अनुकम्पा की चौपाई–भावार्थ सहित (प्रथम 6 गीतिका)	30 अंक
	पूर्व दो वर्ष के कंठस्थ पाठ्यक्रम से (भिक्षुवाणी सम्पूर्ण)	10 अंक

चतुर्थ वर्ष : पूर्णांक – 200

प्रथम प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	आचार्य कालूगणी (तेरापंथ का इतिहास भाग 2) – (मुनि बुद्धमल)	30 अंक
	युगप्रधान आचार्य तुलसी (साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा)	40 अंक
कंठस्थ :	तुलसी प्रबोध–भावार्थ सहित (साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा) (75 से 151 पद्य तक)	10 अंक
	पूर्व कंठस्थ पाठ्यक्रम से तुलसी प्रबोध व तेरापंथ प्रबोध	20 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	भिक्षु दृष्टांत (पृष्ठ 1 से 240 तक 312 दृष्टांत)	40 अंक
	महासती सरदारां	15 अंक
	अनुकम्पा की चौपाई–भावार्थ सहित (अंतिम आधी, 7 से 12वीं गीतिका तक)	30 अंक
	पूर्व कंठस्थ पाठ्यक्रम से (भिक्षुवाणी सम्पूर्ण)	15 अंक

पंचम वर्ष – पूर्णांक – 300

प्रथम प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	महात्मा महाप्रज्ञ (आचार्य महाश्रमण)	40 अंक
	आचार्य महाश्रमण : जीवन परिचय (साध्वी सुमति प्रभा)	40 अंक
	पूर्व कंठस्थ पाठ्यक्रम से (तेरापंथ प्रबोध व तुलसी प्रबोध)	20 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र		पूर्णांक : 100
अध्ययन :	भिक्षु दृष्टांत (परिशिष्ट हेम संस्करण व आगे तक)	30 अंक
कंठस्थ :	भ्रम विध्वंसन	35 अंक
	भिक्षु गीता–भावार्थ सहित	20 अंक
	पूर्व कंठस्थ पाठ्यक्रम से (भिक्षुवाणी सम्पूर्ण)	15 अंक
मौखिक व लिखित परीक्षा :		50 + 50 = 100 अंक
	पांचों वर्ष के कोर्स के साथ कंठस्थ पाठ्यक्रम (भिक्षुवाणी, तेरापंथ प्रबोध, तुलसी प्रबोध) एवं भावार्थ सहित पाठ्यक्रम (भिक्षु गीता व अनुकम्पा की चौपाई भावार्थ सहित)	
नोट :	पांचवें वर्ष की परीक्षा के साथ बहनों की मौखिक व लिखित परीक्षा होगी। केन्द्र में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा : –	
	– अभिव्यक्ति की क्षमता का प्रशिक्षण	
	– तेरापंथ की अन्य जानकारी	
	– शुद्ध उच्चारण का प्रशिक्षण	